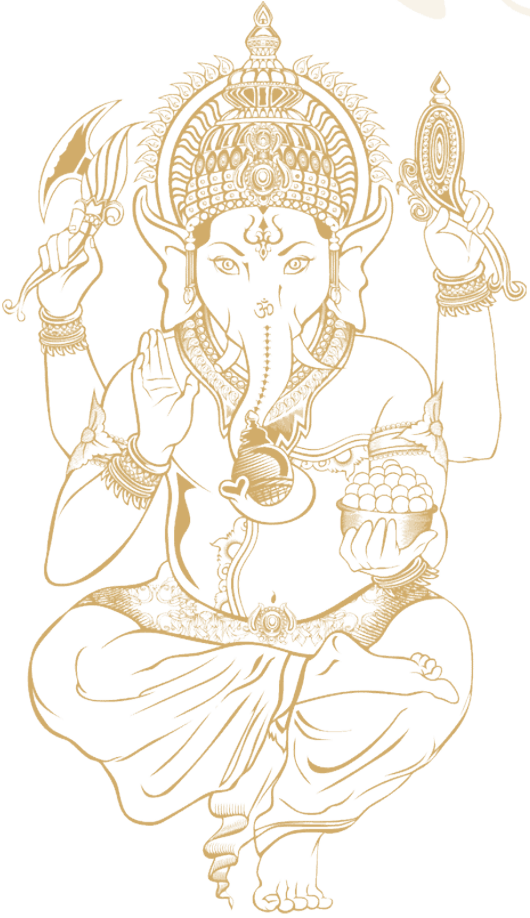

Lucky singh

07 Oct 1998

04:00 AM

Jaito

Model: web-freekundliweb

Order No: 121516403

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 6-07/10/1998**
दिन	: मंगल-बुधवार
जन्म समय	**: 04:00:00 घंटे**
इष्ट	: 53:53:01 घटी
स्थान	**: Jaito**
देश	: India

अक्षांश	: 30:28:00 उत्तर
रेखांश	: 74:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:30:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 03:29:32 घंटे
वेलान्तर	: 00:11:46 घंटे
साम्पातिक काल	: 04:31:03 घंटे
सूर्योदय	: 06:26:47 घंटे
सूर्यास्त	: 18:10:11 घंटे
दिनमान	: 11:43:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 19:37:29 कन्या
लग्न के अंश	: 16:54:11 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**: अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: हर्षण
करण	: तैतिल
गण	: देव
योनि	: अश्व
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: सिंह
युँजा	: पूर्व
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:54:11	310:58:24	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	19:37:29	00:59:09	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	05:14:25	15:14:40	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			सिंह	05:48:24	00:36:45	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	27:49:47	01:38:34	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	स्वराशि
गुरु	व		कुंभ	26:35:47	00:06:42	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	13:36:40	01:14:55	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:38:03	00:04:25	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	06:54:00	00:05:56	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	06:54:00	00:05:56	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:01:56	00:00:35	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:33:12	00:00:09	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:10:51	00:01:37	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			वृष	15:35:56	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:13

लग्न-चलित

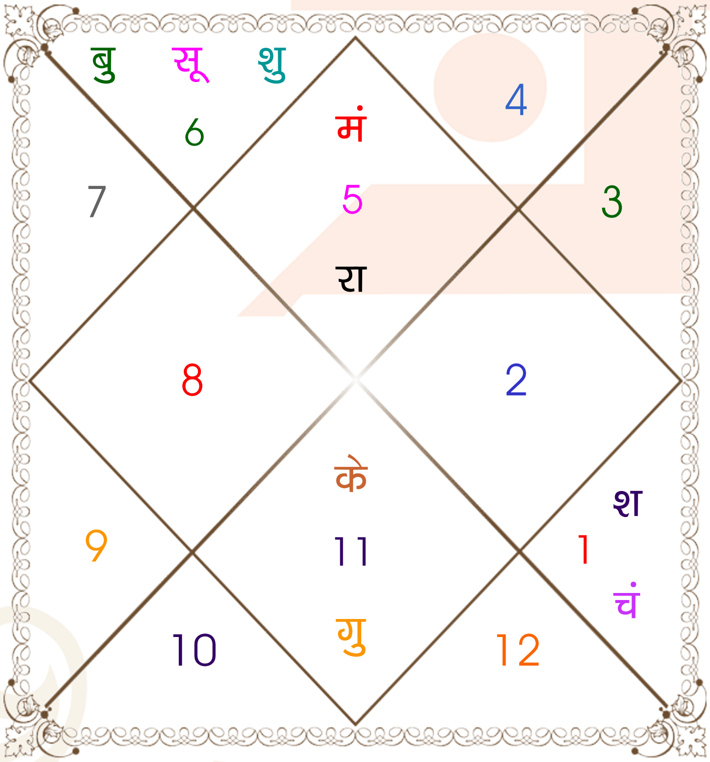

चन्द्र कुंडली

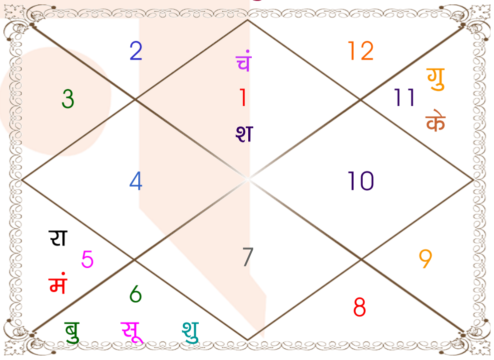

नवमांश कुंडली

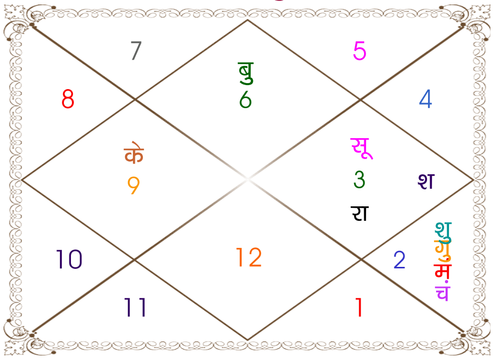

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 2 मास 30 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
07/10/1998	**06/01/2003**	**06/01/2023**	**05/01/2029**	**06/01/2039**
06/01/2003	**06/01/2023**	**05/01/2029**	**06/01/2039**	**05/01/2046**
00/00/0000	शुक्र 07/05/2006	सूर्य 25/04/2023	चंद्र 05/11/2029	मंगल 04/06/2039
00/00/0000	सूर्य 07/05/2007	चंद्र 25/10/2023	मंगल 07/06/2030	राहु 21/06/2040
00/00/0000	चंद्र 05/01/2009	मंगल 01/03/2024	राहु 06/12/2031	गुरु 28/05/2041
07/10/1998	मंगल 07/03/2010	राहु 23/01/2025	गुरु 06/04/2033	शनि 07/07/2042
मंगल 06/12/1998	राहु 07/03/2013	गुरु 12/11/2025	शनि 06/11/2034	बुध 04/07/2043
राहु 25/12/1999	गुरु 06/11/2015	शनि 25/10/2026	बुध 06/04/2036	केतु 30/11/2043
गुरु 30/11/2000	शनि 06/01/2019	बुध 31/08/2027	केतु 05/11/2036	शुक्र 29/01/2045
शनि 08/01/2002	बुध 05/11/2021	केतु 06/01/2028	शुक्र 07/07/2038	सूर्य 06/06/2045
बुध 06/01/2003	केतु 06/01/2023	शुक्र 05/01/2029	सूर्य 06/01/2039	चंद्र 05/01/2046

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
05/01/2046	**06/01/2064**	**06/01/2080**	**06/01/2099**	**07/01/2116**
06/01/2064	**06/01/2080**	**06/01/2099**	**07/01/2116**	**00/00/0000**
राहु 17/09/2048	गुरु 23/02/2066	शनि 09/01/2083	बुध 04/06/2101	केतु 04/06/2116
गुरु 11/02/2051	शनि 05/09/2068	बुध 18/09/2085	केतु 01/06/2102	शुक्र 04/08/2117
शनि 18/12/2053	बुध 12/12/2070	केतु 28/10/2086	शुक्र 01/04/2105	सूर्य 10/12/2117
बुध 06/07/2056	केतु 18/11/2071	शुक्र 27/12/2089	सूर्य 06/02/2106	चंद्र 11/07/2118
केतु 25/07/2057	शुक्र 19/07/2074	सूर्य 09/12/2090	चंद्र 08/07/2107	मंगल 08/10/2118
शुक्र 25/07/2060	सूर्य 07/05/2075	चंद्र 09/07/2092	मंगल 04/07/2108	00/00/0000
सूर्य 18/06/2061	चंद्र 05/09/2076	मंगल 18/08/2093	राहु 22/01/2111	00/00/0000
चंद्र 18/12/2062	मंगल 12/08/2077	राहु 24/06/2096	गुरु 29/04/2113	00/00/0000
मंगल 06/01/2064	राहु 06/01/2080	गुरु 06/01/2099	शनि 07/01/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 3 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।